B.Ed. Ist Year

Subject :- Teaching of Social Science

Imp — Topic :- Qualities and characteristics of Studies Teacher

(सामाजिक अध्ययन मे अध्यापक के गुण एव विशेषताएँ)

शिक्षा का तात्पर्य बालक के सर्वांगीण विकास से है। जिसके अन्तर्गत अध्यापक का कार्य न केवल बालक का मानसिक विकास करना है, बल्कि उसके शारीरिक, संवेगात्मक, नैतिक, एव आध्यात्मिक विकास मे भी योगदान करना है।

जैसा कि अध्यापक को राष्ट्र निर्माता, नागरिको का निर्माणकर्त्ता, शिक्षा प्रक्रिया की आधारशिला, समाज का पथ-प्रदर्शक आदि कहा जाता है। इस प्रकार एक शिक्षक मे सामान्यत: निम्न गुणो की अपेक्षा की जाती है।

⇒ बालको को समझने की योग्यता एवं कुशलता।
⇒ स्वयं की शैक्षिक एवं शिक्षण योग्यताएँ।
⇒ बालको के साथ कार्य करने तथा समायोजन की क्षमता।
⇒ कार्य करने की इच्छा शक्ति।
⇒ सहयोग, सदभावना, निष्पक्षता तथा नेतृत्व की क्षमता।

प्रभावशाली शिक्षण के लिए तथा छात्रो की मानसिक, शारीरिक तथा बौद्धिक स्तर की जानकारी अध्यापक के लिए अत्यन्त आवश्यक है। पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु, शिक्षण-विधियों, सहायक सामग्री आदि का उचित ढंग से उपयोग करना निष्ठावान तथा योग्य अध्यापक पर ही निर्भर करता है। अध्यापक अपनी योग्यता, अनुभव, तथा सूझ-बूझ के आधार पर सामाजिक अध्ययन विषय को अधिक रुचिकर तथा उपयोगी बना सकता है। अध्यापक के कुछ ऐसे गुण एवं विशेषताएँ होती है। जिनके द्वारा वह बालको मे सोचने, समझने, विश्लेषण, संश्लेषण, तर्क-वितर्क, आदि मानसिक शक्तियो का विकास कर सकता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अध्यापक के विभिन्न गुण एवं विशेषताएं निम्नलिखित है। —

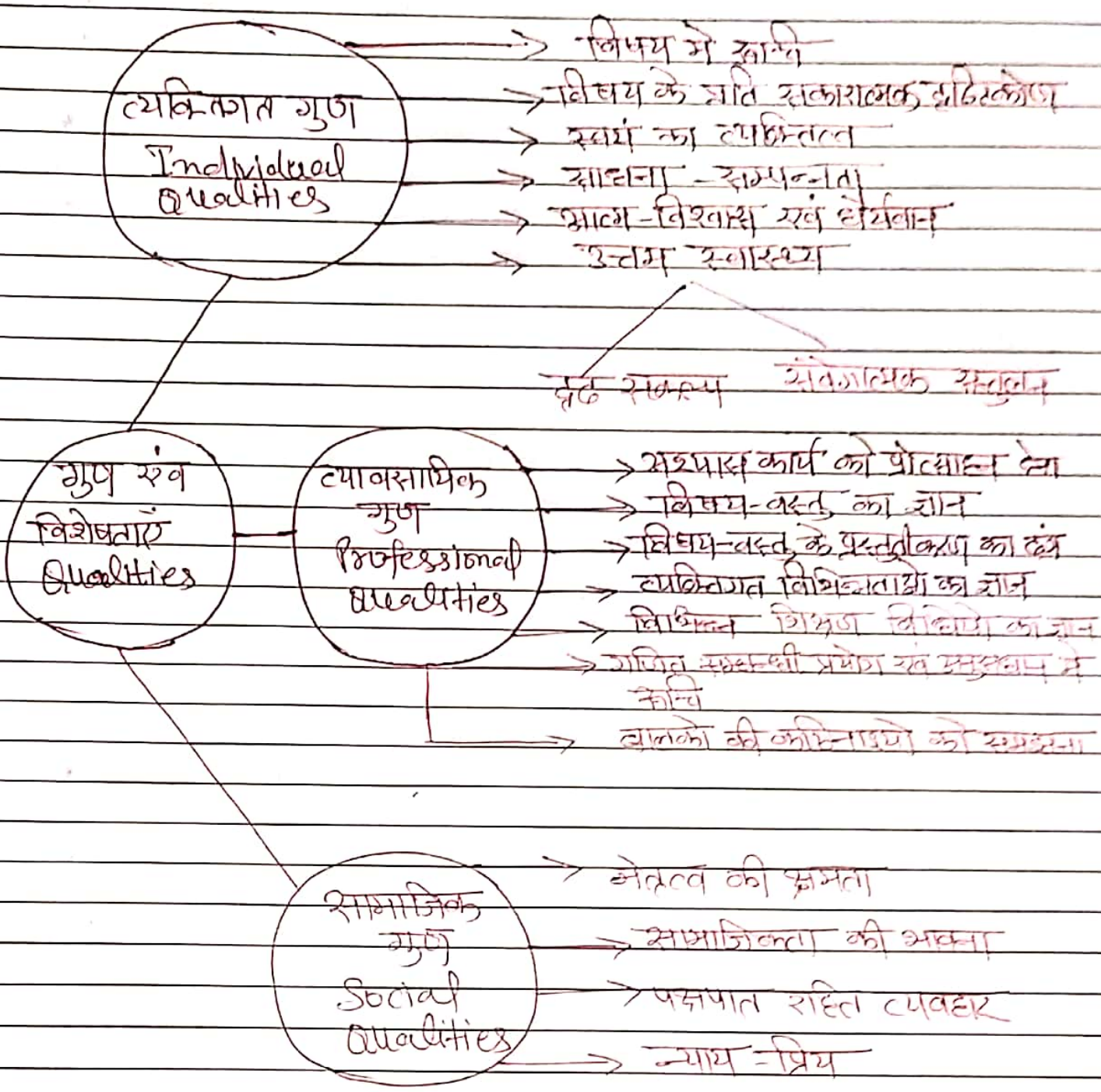

Thankyou

Scanned with CamScanner